

क.



मि-

मा. २५  
का. २५

दिनांक

५६५५  
(Signature)

२३<sup>५</sup>/<sub>१९</sub> वादीवर्ष को प्रथम पक्ष पर फलपत्नी पेश  
 वादीवर्ष को प्रथम पक्ष पेश कर निवेदन किया  
 वह अथवा वार को कागे मही चलाया चला  
 करना चाहे ही प्रथम पक्ष को पुनः (प्रथम पक्ष  
 स्वीकार किया जाकर शान्ति फलपत्नी किया  
 वादीवर्ष कायने वार को चला मही चलाये इत्यादि  
 वर साहित किया जावे (वादीवर्ष को पर  
 ही विवेक से. मी को (फलपत्नी फलपत्नी  
 करण कर ही का से (या वर शान्ति फलपत्नी

(Signature)